कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDC–104

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एच.डी.सी.-104 : आधुनिक हिन्दी कविता

(छायावाद तक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $12 \times 3 = 36$

(क) औरों के हाथों नहीं यहाँ पलती हूँ
अपने पैरों पर खड़ी आप चलती हूँ
श्रमवारि बिन्दु फल स्वास्थ्य मुक्ति फलती हूँ

अपने अंचल से व्यंन आप झलती हूँ

तनु-लता-सफलता-स्वादु आज ही लाया

मेरी कुटिया में राज-भवन मन भाया।

(ख) जिस गंभीर मधुर छाया में—

विश्व चित्रपट चल माया में—

विभुता विभु-सी पड़े दिखाई

दु:ख-सुख वाली, सत्य बनी रे।

(ग) अरे वर्ष के हर्ष

बरस तू, बरस-बरस रसधार।

पार ले चल तू मुझको,

बहा, दिखा मुझको भी निज

गर्जन-गौरव-संसार।

उथल-पुथल कर हृदय—

मचा हलचल—

चल रहे चल,

मेरे पागल बादल।

(घ) खुले पलक, फैली सुवर्ण छवि,

खिली सुरभि, डोले मधु बाल,

स्पंदन कम्पन औ नव जीवन

सीखा जग ने अपनाना,

प्रथम रश्मि का आना रंगिणी,

तूने कैसे पहचाना ?

(ङ) झंझा है दिग्भ्रांत रात की मूर्छा गहरी,

आज पुजारी बने, ज्योति का यह लघु प्रहरी,

जब तक लौटे दिन की हलचल,

तब तक यह जागेगा प्रतिपल,

रेखाओं में भर आभा–जल

दूत साँझ का इसे प्रभाती तक चलने दो!

2. भारतेन्दु युगीन काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

3. हिन्दी कविता के इतिहास में द्विवेदी युग के महत्व को रेखांकित कीजिए। 16

4. मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-भाषा का विवेचन कीजिए। 16

5. रामनरेश त्रिपाठी के काव्य-सौन्दर्य की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 16

6. जयशंकर प्रसाद के काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 16

7. 'निराला' के रचना विधान को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 16

8. पंत की काव्य-चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 8 = 16$

(क) महादेवी वर्मा की काव्य-भाषा

(ख) छायावाद का प्रारंभ

(ग) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(घ) भारतेन्दु की भाषा।